कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–025

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-025 : लौकिक संस्कृत साहित्य में विज्ञान

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा में हों।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* 3×20=60

1. रामायण, महाभारत, बृहत्त्रयी तथा बौद्ध साहित्य में वर्णित मनोविज्ञान का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. रामायण में दिए गए वनस्पति विज्ञान एवं कृषि विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. बौद्ध साहित्य में दिए गए पर्यावरण एवं सतत् विकास का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. रामायणकालीन वास्तुविज्ञान का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

5. महाभारतकालीन कृषि विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. बौद्धकालीन आयुर्विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. महाभारतकालीन ज्योतिष विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखिए।

8. बौद्ध चिन्तन में प्रतीत्यसमुत्पन्न मन–समूह की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

9. रामायणकालीन शस्त्रास्त्र विज्ञान के विशेष गुणों का वर्णन कीजिए।

10. आयुर्वेद के स्वरूप का वर्णन करते हुए रामायणकालीन आयुर्वेद पर प्रकाश डालिए।

11. महाभारतकालीन रसायन विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखिए।

12. बृहत्त्रयी में वर्णित मनोविज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

13. बौद्धकालीन शिल्पकला, मूर्तिकला और बुद्ध की विभिन्न मुद्राओं का वर्णन कीजिए।

14. भारत एवं भारतेतर देशों में बौद्धकालीन वास्तुकला का वर्णन कीजिए।

× × × × ×